NH Debate - 26

"किसानों को खुदरा-थोक-FMCG व्यापार में आना होगा"

गाँव से बाहर प्राइमरी नहीं सेकेंडरी प्रोडक्ट जाना चाहिए!

सर छोटूराम ने कहा कि 'किसान दुश्मन पहचानना और उसके बोलने की कला सीखे', चौधरी चरण सिंह के कहा कि 'किसान अपनी एक औलाद को शहरों में निकाले', और आज की जरूरत यह आन पड़ी है कि किसान को अपनी एक औलाद को खुदरा-थोक-FMCG वाले व्यापार सिखाने होंगे| खेती से निकल के प्रोपर्टी डीलिंग और आढ़त के व्यापार में किसान जातियों ने अपना परचम लहराया और परम्परागत जातियों को किनारे किया| और अब वक्त आ गया है कि किसान खुदरा-थोक-FMCG व्यापार में भी अपना परचम लहराए। क्योंकि जिस तरह से व्यापार और कॉर्पोरेट जगत ने राजनीति और देश की आर्थिक नीतियों को अपने नियंत्रण में ले लिया है उसके चलते आने वाले समय में खेती का धंधा लाचारी और बेगारी वाला होने वाला है। लेकिन किसान जातियों के पास raw material (primary product) जिससे कि FMCG के सारे secondary product बनते हैं रुपी ऐसा नियंत्रण और ताकत अपने हाथ में है कि इसका प्रयोग करके आप कभी भी खुदरा-थोक-FMCG में अपना परचम लहरा सकते हो| और यही secondary product बनाने की ताकत अब आपको अपने हाथ में लेनी होगी| गाँव-स्तर पर ऐसी इकाइयाँ लगानी होंगी जो कम से कम आपके गाँव की सेकेंडरी प्रोडक्ट की जरूरतें गाँव में ही पूरी कर दें| और इससे आपके बच्चों को गाँव-की-गाँव में रोजगार भी मिलेगा| इसलिए गाँव से बाहर प्राइमरी नहीं सेकेंडरी प्रोडक्ट जाना चाहिए। आज के व्यापारी इतने बेगैरत हैं कि आपसे ही प्राइमरी प्रोडक्ट लेते हैं और आप-पे ही गुर्राते हैं|

For those who don't know what is primary product and secondary product:

1. Primary product is that wheat, rice, pulses, cereals and vegetables from which secondary produces like biscuits, breads, burger, pizza, sandwich, and all other edible products are made.
2. Primary product is that cotton from which secondary products like clothes, napkins etc. are made.
3. Primary product is that sugar-cane from which secondary products like sugar, jerry etc. are made.
4. Primary products are those seed crops from which secondary products like cooking oil, hair oil etc. are made.
5. Primary product is that wood from which secondary products like all kind of furniture products are made.

So in this way a farmer holds the key to all primary produces. And now time is alarming to take charge of it and start producing secondary produce directly from

your village. Start fulfilling demands for these products of your village yourself from your villages itself and then supply the rest to the outer world.

Phool Kumar Malik

Nidana Heights

Dated: 24/10/2013